हरिभूमि
# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार 21 अप्रैल 2026

12 कर्मियों का मांगों को लेकर प्रदर्शन पानी बंद करने की दी चेतावनी

12 अटेली मंडी निरीक्षण में किसानों की नाराजगी उजागर...

## खबर संक्षेप

### विजेताओं को किया सम्मानित

**नांगल चौधरी।** शहीद मेजर सतीश दहिया राजकीय महाविद्यालय में भूगोल विभाग ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार यादव ने की। जिसमें विद्यार्थियों को सामान्य ज्ञान, तर्कशक्ति और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में 65 विद्यार्थियों ने पंजीकरण किया, जिन्हें तीन ग्रुपों में विभाजित करके वाद विवाद स्पर्धा कराई गई। हिमांशी ग्रुप ने प्रथम व हिमानी ग्रुप ने दूसरा व तनु एंड पार्टी ने तृतीय स्थान अर्जित किया। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

### स्वास्थ्य केंद्र बिगोपुर में बैठक आयोजित

**नारनौल।** प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिगोपुर में मासिक बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता डॉ. भानु प्रताप सिंह व खण्ड आशा समन्वयक प्रवीण शर्मा ने की। बैठक में क्षेत्र की समस्त आशा कार्यकर्ता व संबंधित स्वास्थ्य कार्मिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिगोपुर की सभी 25 आशा कार्यकर्ता भी उपस्थित रही। बैठक के दौरान पूर्व निर्धारित एजेंडा बिंदुओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान किए गए।

### राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई को

**नारनौल।** हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा के मार्गदर्शन में नौ मई को न्यायिक परिसर नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने बताया कि अदालत में बैंक लोन, मोटर व्हीकल एक्सीडेंट, एनडीपीएस एक्ट, फौजदारी, दीवानी, वैवाहिक व पारिवारिक विवाद का निपटारा किया जाएगा।

### अटेली में हनुमान जी का रोट आज

**मंडी अटेली।** अटेली स्थित 132 केवी सब स्टेशन परिसर में 21 अप्रैल को हनुमान जी के रोट (प्रसाद) का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन समस्त बिजली कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह सवा नौ बजे हवन से होगी, जिसके बाद सुबह सवा 10 बजे प्रसाद वितरण किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं को कार्यक्रम में पहुंचकर हनुमान जी का आशीर्वाद लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

# काले बिल्ले बांध करेंगे काम, 24 व 25 को झाड़ू प्रदर्शन 27 व 28 अप्रैल को भूख हड़ताल, फिर 1 व 2 मई को हड़ताल

- नगर पालिका सफाई कर्मचारियों ने काले बिल्ले बांधकर किया काम
- कर्मचारियों को पक्का करने सहित अनेक मांग रखी, आंदोलन तेज करने की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। सरकार के प्रति नारेबाजी करते सफाई कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

नगर पालिका सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सोमवार को सरकार के प्रति विरोध जताया। इस दौरान कर्मचारियों ने सोमवार को काले बिल्ले बांधकर काम किया। इसके अलावा कर्मचारियों ने नगर पालिका कार्यालय में सरकार के प्रति नारेबाजी भी की। मंगलवार को भी कर्मचारी काले बिल्ले बांधकर काम करेंगे। 24 व 25 अप्रैल को कर्मचारी झाड़ू प्रदर्शन करेंगे। 27 व 28 अप्रैल को कर्मचारी क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठेंगे। एक व दो मई को कर्मचारी दो दिवसीय हड़ताल करेंगे। कर्मचारियों ने कहा कि काफी लंबे समय से सरकार द्वारा उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं। कर्मचारियों ने कहा कि अगर सरकार द्वारा कर्मचारियों की ओर ध्यान नहीं दिया गया तो बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होगें। सफाई कर्मचारी यूनियन प्रधान पूर्ण कुमार ने कहा कि नगर पालिका कर्मचारी संघ अपनी न्याय उचित मांगों को लेकर लगातार आंदोलनरत है। इससे पहले भी लगातार पूर्व निकाय मंत्री के मुख्य सचिव की अध्यक्षता मीटिंग हुई। 29 अक्टूबर 2022 व पांच अप्रैल 2023 को दो दौर की वार्ता में लगभग सभी मांगों पर मंत्री ने जल्द ही पत्र जारी करने का विश्वास दिलाया था। कुछ पत्र जारी तो हुए हैं लेकिन समझौते से विपरीत तोड़ मरोड़ के पत्र जारी किए गए हैं, जिससे कर्मचारियों में भारी रोष है। उन्होंने बताया कि सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों व तानाशाही के चलते मजबूरी में प्रदर्शन करने को मजबूर हुए।

### यह है मुख्य मांगें

कर्मचारियों ने सरकार से रेगुलाइजेशन की नीति बनाने, पुरानी पेंशन बहाल करने, 29 अक्टूबर 2022 व पांच अप्रैल 2023 के समझौतों को लागू करने, सभी वर्गों की वेतन विसंगतियां ठीक करने तथा आरक्षित श्रेणियां का बैकलॉग पूरा करने, जोखिम भत्ता पांच हजार रुपये लागू करने, वरिष्ठ सफाई निरिक्षक के पद सृजित करने, क्षेत्रफल आबादी के अनुपात में नए पद सृजित करा रिक्त पदों पर पक्की भर्ती करने, सभी कर्मचारियों को बिना शर्त एसीपी का लाभ देने, पुरानी पेशन बहाल करने, कच्चे सफाई व सीवर कर्मचारियों को 38 हजार रुपये करने, सालाना पांच प्रतिशत की वृद्धि लागू करने, सभी प्रकार के भत्तों को लागू करने, सफाई व सीवर कर्मचारियों की तृतीय श्रेणी के पदों पर पदोन्नति किया जाए, जारी किए गए आठ फरवरी 2023 के पत्र के अनुसार सफाई व सीवर कर्मचारियों को पक्का करने, डोर-टू-डोर कर्मचारियों को ईएसआई व पीएफ की सुविधा देना, सात अगस्त 2024 व नगर निगम गुरुग्राम के बीच हुए दो जनवरी को 2024 के समझौते को लागू करना व शहीद अग्निशमन कर्मी भवीचंद व रणवीर को शहीद का दर्जा व परिजन को एक एक करोड़ रुपये का मुआवजा व नौकरी देना, क्षेत्रफल व आबादी के अनुसार नए पद और नियमित भर्ती करना सहित अनेक मांग हैं।

## आठवें वेतन आयोग के लाभ की मांग को लेकर आज डीसी कार्यालय पर रोष प्रदर्शन

**नारनौल।** 8वें वेतन आयोग के लाभ से वंचित किए जाने के विरोध में जिले के रिटायर्ड कर्मचारी मंगलवार, 21 अप्रैल को जिला उपायुक्त कार्यालय के सामने रोष प्रदर्शन करेंगे। इसको लेकर संबंधित संगठनों ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है। आयोजकों संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी ओमप्रकाश दायमा के अनुसार प्रदर्शन सुबह 10 बजे शुरू होगा, जिसमें विभिन्न विभागों से जुड़े रिटायर्ड कर्मचारी हिस्सा लेंगे। उनका कहना है कि लंबे समय से उन्हें 8वें वेतन आयोग के लाभ से वंचित रखा जा रहा है, जिससे उनमें रोष व्याप्त है। इसी के विरोध में यह प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। प्रदर्शन के बाद कर्मचारी जिला प्रशासन के माध्यम से सरकार को ज्ञापन सौंपेंगे, जिसमें उनकी मांगों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

- रिटायर्ड कर्मचारियों से सुबह 10 बजे पहुंचने की अपील, प्रदर्शन के बाद सौंपा जाएगा ज्ञापन

### तीन दिन की देरी से शहरवासियों को मिलेगी राहत

# जिले की नहरों में आज से दौड़ेगी 'राहत की जलधारा'

*80 प्रतिशत आबादी नहरी पानी पर निर्भर, राशनिंग से मिलेगा छुटकारा*

***जलाशयों को भरने के बाद शुरू होगी नियमित पेयजल आपूर्ति, फिल्टर प्रक्रिया में लगेंगे 2-3 दिन***

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। नहरी पानी के इंतजार में वाटरपंप। फोटो : हरिभूमि

जिले में लंबे इंतजार के बाद आखिरकार नहरी पानी पहुंचने की उम्मीद ने लोगों को बड़ी राहत दी है। सिंचाई विभाग के अनुसार रात तक नहरों में पानी पहुंच जाएगा, जबकि मंगलवार से जिले की विभिन्न नहरों में पानी प्रवाहित होना शुरू हो जाएगा। झज्जर जिले के जेएफ-2 पंप हाउस से महेंद्रगढ़ कैनाल में पानी पहले ही छोड़ दिया गया है, जिससे अब स्थानीय स्तर पर जल संकट खत्म होने की उम्मीद जगी है।

नहरों में पानी आने के साथ ही जनस्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया है। विभाग द्वारा सबसे पहले जलाशयों को भरा जाएगा, ताकि शहरवासियों को पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। पिछले कुछ दिनों से पानी की कमी के चलते शहर में राशनिंग लागू करनी पड़ रही थी, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

बता दें कि शहर की करीब 80 प्रतिशत आबादी नहरी पेयजल आपूर्ति पर निर्भर है। नहर में पानी देर से आने के कारण जल संकट गहराने लगा था और जलाशयों में महज चार दिन का स्टॉक ही बचा था। ऐसे में अब नहरी पानी पहुंचने से हालात सामान्य होने की उम्मीद है। हालांकि विभागीय प्रक्रिया के तहत नहरों में पानी आने के तुरंत बाद आपूर्ति शुरू नहीं होगी। पहले करीब डेढ़ दिन तक पानी को टैंकों में संग्रहित किया जाएगा, इसके बाद उसे फिल्टर और शुद्ध करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। यह पूरी प्रक्रिया दो से तीन दिन में पूरी होगी, जिसके बाद नियमित जलापूर्ति बहाल की जाएगी।

### गर्मी में होती है समस्या

गर्मी के मौसम में हर साल पानी की कमी एक बड़ी समस्या बन जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि लोग विवेकपूर्ण तरीके से पानी का उपयोग करें तो उपलब्ध स्टॉक लंबे समय तक चल सकता है। विभाग ने भी लोगों से अपील की है कि पानी की बर्बादी से बचें और जरूरत के अनुसार ही उपयोग करें।

### क्यों बढ़ता है हर साल जल संकट

गर्मियों में नहरों में पानी की सप्लाई 20-24 दिन के अंतराल पर होती है। कई बार नहरों में डेडबॉडी मिलने से पानी रोकना पड़ता है। नहर टूटने या मरम्मत कार्य के कारण भी सप्लाई बाधित होती है। सीमित स्टोरेज क्षमता के कारण पानी जल्दी खत्म हो जाता है। एसडीओ राजेश वर्मा के अनुसार हमारे यहां 1150 क्यूसिक पानी की जरूरत है, लेकिन मिलता बमुश्किल से 450 क्यूसिक ही है। कम पानी के कारण दिक्कत होती रहती है।

### ऐसे होती है पानी की सप्लाई प्रक्रिया

पहले नहर से कच्चा पानी टैंकों में भरा जाता है करीब 1.5 दिन तक स्टोरेज, इसके बाद फिल्टर और शुद्धिकरण प्रक्रिया चलती है। यानि 2-3 दिन बाद ही पीने योग्य पानी की सप्लाई शुरू होती है।

### आगे क्या है विभाग की योजना

- जलाशय भरने के बाद जोहड़ों और तालाबों को भी भरा जाएगा।
- मवेशियों के लिए भी नहरी पानी उपलब्ध कराने की योजना।
- पर्याप्त पानी मिलने पर राशनिंग पूरी तरह समाप्त होगी।

### यह कहते हैं अधिकारी

सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप नासियर के अनुसार इस बार 450 क्यूसिक पानी की मांग की गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इसी अनुपात में पानी उपलब्ध होगा, जिससे न केवल पेयजल बल्कि अन्य जरूरतें भी पूरी हो सकेंगी। यदि सब कुछ सामान्य रहा और पर्याप्त मात्रा में पानी मिलता रहा, तो आने वाले दिनों में न केवल पेयजल संकट खत्म होगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी जल उपलब्धता बेहतर हो सकेगी। फिलहाल लोगों को सलाह दी गई है कि नियमित सप्लाई शुरू होने तक स्टोरेज किए गए पानी का सावधानीपूर्वक उपयोग करें।

# अब राजस्व संबंधी शिकायतों का 48 घंटे में होगा स्थायी समाधान

## सिटीजन हेल्पडेस्क पोर्टल लॉन्च, 5 दिन के भीतर टोकन मंजूर नहीं होता है, तो हेल्पडेस्क पर कर सकते हैं शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राजस्व विभाग से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए सिटीजन हेल्पडेस्क की शुरूआत की है। इस नई व्यवस्था के तहत अब जनता की राजस्व संबंधी शिकायतों का समाधान महज 48 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाएगा। इससे प्रशासनिक कामकाज में और अधिक पारदर्शिता लाना तथा आमजन को कार्यालयों के चक्कर काटने से मुक्ति दिलाना है। इस नई सुविधा के माध्यम से नागरिक टोकन अनुमोदन में होने वाली देरी ऑनलाइन सिस्टम की तकनीकी खामियां, पेपरलेस पंजीकरण में आने वाली समस्याएं, भ्रष्टाचार, उत्पीड़न और संपत्ति पंजीकरण से जुड़ी किसी भी प्रकार की अनियमितता के खिलाफ सीधे अपनी आवाज उठा सकेंगे। नागरिक दूरभाष संख्या 0172-2711693 पर कॉल करके या ईमेल आईडी पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यह सेवा सभी कार्य दिवसों में सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक उपलब्ध रहेगी। प्रशासनिक पारदर्शिता को और सुदृढ़ करने के लिए एक केंद्रीकृत मॉनिटरिंग डैशबोर्ड भी तैयार किया गया है, जिसकी सीधी निगरानी वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से की जाएगी। शिकायत दर्ज होते ही नागरिक को एक यूनिक शिकायत नंबर प्रदान किया जाएगा जिससे वे अपनी शिकायत की स्थिति को रियल-टाइम ट्रैक कर सकेंगे। नई नियमावली के अनुसार यदि किसी नागरिक का टोकन पांच दिन के भीतर मंजूर नहीं होता है, तो वह हेल्पडेस्क पर इसकी शिकायत कर सकता है।

### टोकन मिलने के बाद 10 दिनों के भीतर अपॉइंटमेंट लेना अनिवार्य

इस संबंध में उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने बताया कि इसके साथ ही टोकन मिलने के बाद 10 दिनों के भीतर अपॉइंटमेंट लेना अनिवार्य होगा अन्यथा वह रद्द माना जाएगा। अपॉइंटमेंट मिलने के 20 दिनों के अंदर पंजीकरण की प्रक्रिया को पूरा करना भी अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पेपरलेस पंजीकरण के संबंध में शिकायत करते समय नागरिकों को अपना टोकन नंबर देना जरूरी होगा।

# गैस सिलेंडर नहीं तो लकड़ी की करें व्यवस्था, मिड-डे मील रहे सुचारू

- मिड-डे मील चलाने के लिए शिक्षा विभाग ने जारी किए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रदेश के राजकीय स्कूलों में मिड-डे मील योजना को सुचारु रूप से चलाने के लिए शिक्षा विभाग ने निर्देश जारी किए हैं। विभाग की ओर से जारी पत्र के अनुसार यदि स्कूलों में एलपीजी गैस सिलेंडर की आपूर्ति समय पर नहीं हो पाती है, तो मिड-डे मील तैयार करने के लिए वैकल्पिक रूप से लकड़ी का उपयोग किया जा सकता है। मौलिक शिक्षा हरियाणा के निदेशक की ओर से जारी इस निर्देश में सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को कहा गया है कि वे संबंधित गैस एजेंसियों से समन्वय कर जल्द से जल्द सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित करें, साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि गैस उपलब्ध न होने की स्थिति में विद्यार्थियों के भोजन में किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए।

### मिड-डे मील योजना निर्बाध रखने के लिए अस्थायी उपायों के निर्देश

पत्र में उल्लेख किया गया है कि स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को नियमित रूप से मिड-डे मील उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। ऐसे में आवश्यक होने पर अस्थायी रूप से लकड़ी का उपयोग कर भोजन तैयार किया जा सकता है, ताकि योजना प्रभावित न हो। इस निर्देश के बाद जिला स्तर पर भी अधिकारियों ने आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। शिक्षा विभाग का कहना है कि किसी भी परिस्थिति में विद्यार्थियों को मिलने वाला भोजन बाधित नहीं होना चाहिए और इसके लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

# महेंद्रगढ़ में जनगणना 2027 की तैयारियों का अंतिम चरण, तहसीलदार ने किया निरीक्षण

- जनगणना 2027 को सफल बनाने का आह्वान, शिक्षकों को दी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। अध्यापकों को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय में जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रगणकों एवं सुपरवाइजर्स को अंतिम चरण का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान चार्ज ऑफिसर एवं तहसीलदार अजय कुमार द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों एवं अध्यापकों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। चार्ज ऑफिसर एवं तहसीलदार अजय कुमार ने सभी अध्यापकों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे न केवल स्वयं जनगणना कार्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहें, बल्कि अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक एवं प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सभी की सक्रिय भागीदारी से ही महेंद्रगढ़ जिले की रैंकिंग में सुधार संभव है। कार्यक्रम उपायुक्त अनुपमा अंजली आईएएस एवं उपमंडल अधिकारी योगेश सैनी आईएएस के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित किया गया। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जनगणना 2027 को एक जन-जागरूकता अभियान के रूप में चलाया जाए, ताकि आमजन भी इसकी महत्ता को समझें और इसमें सक्रिय सहयोग दें। सहायक चार्ज ऑफिसर जनगणना राजेश शर्मा झाड़ली ने सभी शिक्षकों से अपील की कि वे अपने-अपने विद्यालयों में जाकर स्वगणना के प्रति जागरूकता फैलाएं तथा विद्यार्थियों को भी इसके महत्व के बारे में बताएं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के माध्यम से समाज में जागरूकता का प्रसार अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है, जिससे महेंद्रगढ़ जिले को देश में अग्रणी स्थान दिलाने में मदद मिलेगी।

### प्रत्येक पंचायत में दो सर्वे अधिकारी की लगाई ड्यूटी

# मिशन ज्ञान भारतम् का जिला में होगा

- मिशन का मुख्य उद्देश्य पांडुलिपियों की पहचान, दस्तावेजीकरण और संरक्षण करना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा में प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन ज्ञान भारतम् के तहत महेंद्रगढ़ जिले में व्यापक सर्वेक्षण अभियान शुरू कर दिया गया है। इस संबंध में अतिरिक्त उपायुक्त-सह-नोडल अधिकारी द्वारा आदेश जारी कर जिले के विभिन्न अधिकारियों और कर्मचारियों को सर्वे कार्य में लगाया गया है। इसके लिए जिला में खण्ड वाइज 854 अधिकारी व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जारी आदेश के अनुसार इस मिशन का मुख्य उद्देश्य राज्य में उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों की पहचान, दस्तावेजीकरण और संरक्षण करना है, ताकि इस सांस्कृतिक धरोहर को व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से सुरक्षित रखा जा सके। इसके लिए जिला स्तर पर मानव संसाधन को सक्रिय करते हुए शहरी क्षेत्रों में वार्ड स्तर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत स्तर पर सर्वेक्षण किया जाएगा। प्रशासन ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक पंचायत/वार्ड में कम से कम दो सर्वे अधिकारी तैनात किए जाएं, ताकि सर्वे कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जा सके। यह सर्वे 10 जून 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

### खास बातें

- जिल के 427 अधिकारी व 427 कर्मचारी करेंगे यह सर्वे, सर्वे 10 जून तक हर हाल में पूरा करने का निर्देश

### कहां कितने अधिकारी और कर्मचारियों की लगाई ड्यूटी

| खण्ड | अधिकारी | कर्मचारी |
|---|---|---|
| नारनौल | 52 | 52 |
| निजामपुर | 31 | 31 |
| नांगल चौधरी | 45 | 45 |
| अटेली | 43 | 43 |
| सिहमा | 29 | 29 |
| कनीना | 53 | 53 |
| महेंद्रगढ़ | 65 | 65 |
| सतनाली | 25 | 25 |
| अर्बन एरिया | 84 | 84 |
| **कुल** | **427** | **427** |

### पीढ़ियों के लिए ज्ञान के अमूल्य स्रोतों को सहेजने का भी प्रयास

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सभी नियुक्त अधिकारी सर्वे से पूर्व आवश्यक प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और हैंड्स-ऑन ओरिएंटेशन प्राप्त करेंगे। इसके बाद वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समयबद्ध तरीके से करेंगे, जिससे मिशन के उद्देश्यों की प्रभावी पूर्ति हो सके। इस अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग, अभिलेखागार विभाग तथा अन्य संबंधित संस्थाओं को भी निर्देशित किया गया है कि वे आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करें। यह पहल न केवल हरियाणा की ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान के अमूल्य स्रोतों को सहेजने का भी प्रयास है।

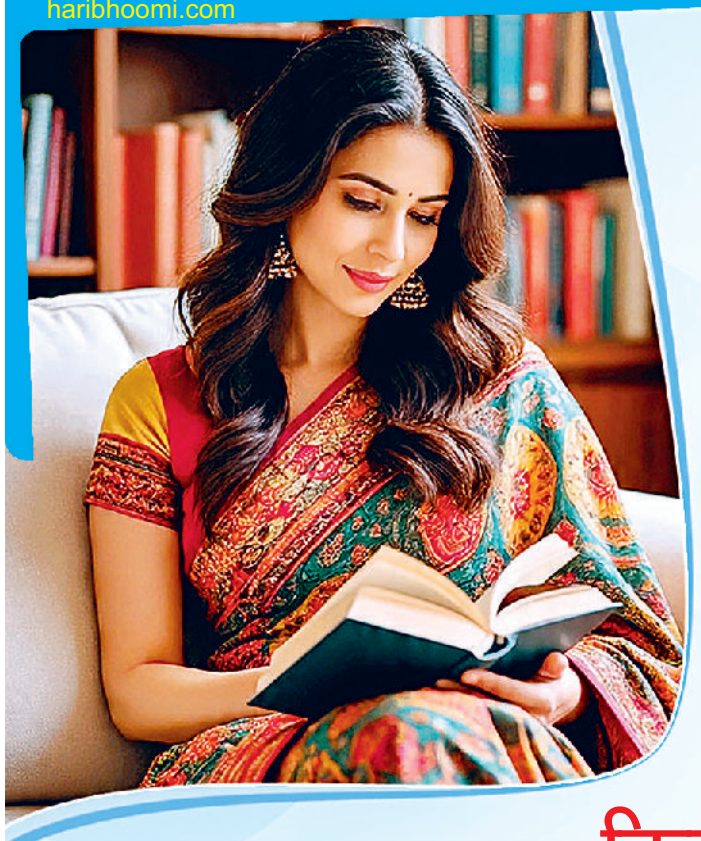

हरिभूमि
# सहेली
रोहतक, मंगलवार
21 अप्रैल 2026

विशेष : विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

किताबें पढ़कर एक अलग ही आनंद मिलता है, सिर्फ आनंद ही नहीं मिलता एक अलग तरह की दृष्टि भी मिलती है। हम बहुत कुछ गहराई से देखने-समझने लगते हैं। किताबें अंतर्ज्ञान बढ़ाकर हमें जागरूक बनाती हैं। सशक्त बनने के लिए हर स्त्री का किताबें पढ़ना जरूरी है।

# किताबें केवल आनंद ही नहीं एक अलग नजरिया भी देती हैं

आवरण कथा
कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

किताबें केवल पढ़ने का ही सुख नहीं देतीं, देखने की दृष्टि भी बदल देती हैं। बदली हुई दृष्टि ही बदलते समय को गहराई से देख सकती है। एक ही काम, एक ही दिनचर्या, एक ही जीवन, किताबों के बिना भी चलता है, लेकिन किताबों के साथ वही जीवन समझ में आने लगता है, उसके भीतर छिपे अर्थ धीरे-धीरे समझ में आने लगते हैं। कहने का आशय यह है कि साहित्य मनुष्य को उसके भीतर के सत्य से परिचित कराता है।

## पढ़ने से मिलती है नई दृष्टि

एक स्त्री, जो दिन भर घर के कामों में लगी रहती है जैसे रसोई, सफाई, बच्चों की देखभाल। वह इन सबको अपने कर्तव्य की तरह निभाती है। उसका दिन एक निश्चित ढर्रे में बीतता है, जिसमें उसके लिए ठहरने की जगह बहुत कम होती है। लेकिन उसे पढ़ने का अवसर मिले, तो संभव है कि वह इन्हीं कामों को एक अलग नजर से देखे। वह यह समझे कि उसका श्रम अदृश्य क्यों है, उसका समय उसका अपना क्यों नहीं है, और उसका मौन कब, कैसे उसकी आदत बन गया?

## आप बनती हैं जागरूक

स्त्री को किताबें पढ़ने का समय जरूर निकालना चाहिए, क्योंकि किताबें उसे उसके काम से अलग नहीं करतीं, बल्कि उसी काम के भीतर एक नई जागरूकता भर देती हैं। किताबें स्त्री को यह नहीं सिखातीं कि क्या करना है, बल्कि यह समझने का साहस और बुद्धि देती हैं कि जो वह कर रही है, उसका क्या अर्थ है, क्या महत्व है? पढ़ना किसी निर्देश का पालन करना नहीं, अपने ही जीवन को नए प्रश्नों के साथ देखना है। यही वह बिंदु है, जहां पढ़ना, जीवन को केवल जीने से आगे बढ़ाकर उसे समझने की प्रक्रिया में बदल देता है।

## समझ में आते हैं जीवन के नए अर्थ

स्त्री न तो घर की शोभा मात्र है, न वह भोग की वस्तु है। वह स्वयं एक संपूर्ण व्यक्तित्व है। यह समझ केवल बाहर से दी नहीं जाती, भीतर से जगती है और किताबें इस चेतना को संभव बनाती हैं। जब कोई स्त्री पढ़ती है, तो वह केवल दूसरों की कहानी नहीं पढ़ती, वह धीरे-धीरे अपने ही जीवन को पढ़ना शुरू करती है। उसे एहसास होने लगता है, उसकी थकान केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि एक साझा संरचना का हिस्सा है। उसका संघर्ष अकेला नहीं, अनेक स्त्रियों का साझा संघर्ष है। यहीं से स्त्री के भीतर एक सूक्ष्म परिवर्तन जन्म लेता है, जहां वह केवल पढ़ती नहीं, अपने ही जीवन को नए अर्थों में समझने लगती है। नारी के जीवन की करुणा केवल उसकी दुर्बलता नहीं, उसकी संवेदना की शक्ति भी है। जब यह समझ भीतर बैठती है, तो वह अपनी भावनाओं को बोझ नहीं, एक ऊर्जा के रूप में देखने लगती है।

### जरूरी है पढ़े हुए को जीवन में उतारना

**केवल किताबों** तक पहुंचना पर्याप्त नहीं, दृष्टि तब सही मायने में बनती है, जब पढ़ा हुआ जीवन में उतरता है। कई बार शिक्षित स्त्रियों का जीवन भी पुराने ढर्रे पर चलता रहता है। इसका कारण केवल परिस्थितियां नहीं, वे मान्यताएं हैं जो भीतर गहरे बैठ जाती हैं। पढ़ा हुआ और जिया हुआ अलग-अलग रह जाते हैं। ऐसे में किताबें एक हलचल पैदा करती हैं। यही हलचल धीरे-धीरे भीतर एक धीमी, लेकिन स्थाई स्वतंत्रता को जन्म देती है। यह प्रक्रिया तेज नहीं होती। यह धीरे-धीरे, लगभग अनदेखे ढंग से घटित होती है। पहले केवल प्रश्न उठते हैं, फिर उन प्रश्नों के साथ जीने की आदत बनती है, और फिर एक दिन वही प्रश्न दृष्टि में बदल जाते हैं।

## पढ़ना केवल एक क्रिया नहीं

यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि क्या स्त्री को पढ़ने की परिस्थितियां मिलती हैं? पढ़ना केवल अक्षरों को देखना नहीं, यह समय, एकांत और मानसिक अवकाश मांगता है। अनेक स्त्रियों का समय टुकड़ों में बंटा होता है। वे लगातार काम में लगी रहती हैं, उन्हें अपने लिए समय निकालना भी एक तरह का अपराधबोध बन जाता है। ऐसे में किताबें पास होकर भी दूर रह जाती हैं। इसलिए साक्षरता से आगे बढ़कर हमें उन सामाजिक संरचनाओं को देखना होगा, जो स्त्री को अपने लिए समय लेने से रोकती हैं। जब वह बिना अपराधबोध के अपने समय में ठहर पाती है, तभी पढ़ना संभव हो पाता है। पढ़ना केवल एक क्रिया नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व को महत्व देने का एक शांत निर्णय भी है।

## किताबें भीतर एक रोशनी जलाती हैं

किताबें स्त्री के जीवन में कोई बाहरी बदलाव थोपती नहीं, वे भीतर एक धीमी रोशनी जलाती हैं। यह रोशनी उसे अपने ही अनुभवों को देखने, समझने और स्वीकारने की क्षमता देती है। हर स्त्री किताब तक पहुंचे, यह बहुत जरूरी है। पर उससे भी अधिक जरूरी है कि वह अपने जीवन को पढ़े। ज्ञान का

उद्देश्य केवल जानना नहीं, जागना है। जब यह जागरण होता है, तो जीवन वैसा ही रहते हुए भी बदल जाता है। किताब और स्त्री का संबंध बनने में परिवार का सहयोग बहुत जरूरी है। जब स्त्री पढ़ती है, तो वह केवल ग्रहण नहीं करती, वह भीतर ही भीतर रचने लगती है। कभी शब्दों में, कभी व्यवहार में, कभी अपने निर्णयों में। उसका जीवन धीरे-धीरे एक ऐसी कथा में बदलने लगता है, जिसे भले ही वह लिखे या न लिखे, पर वह एक अर्थपूर्ण संरचना ग्रहण कर लेती है।

स्पेशल : अप्रैल-स्ट्रेस अवेयरनेस मंथ

# अपने लिए भी बदलाव की धुरी बनें स्त्रियां

वर्कप्लेस और घर की जिम्मेदारियों के बीच महिलाओं के पास अपने लिए कोई समय ही नहीं बचता है। इससे वे अस्वस्थ हो जाती हैं। महिलाओं का परिवार के साथ अपना ध्यान रखना भी जरूरी है। वे अपने जीवन में एक संतुलन बैठाएं और स्वस्थ-सुखी जीवन जिएं।

जरूरी बात
डॉ. मोनिका शर्मा

घर और बाहर दोनों मोर्चों पर जूझने वाली स्त्रियां आसानी से तनाव के घेरे में आ ही जाती हैं। वर्कप्लेस और घर की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने की फिक्र और आपा-धापी महिलाओं को तनाव के स्याह घेरे में लिए रहती है। ऐसे में जीवन से जुड़ी भाग-दौड़ से तो दूरी नहीं बनाई जा सकती, लेकिन तनाव को समझना और इससे बचने के प्रयास बहुत जरूरी हैं।

**आवश्यक है अवेयरनेसः** हाल के वर्षों में तनाव के शिकार लोगों के आंकड़े तेजी से बढ़े हैं। हेल्थ और सेफ्टी एक्जीक्यूटिव के आंकड़ों के अनुसार 35-54 आयु वर्ग के बड़ों की देखभाल करने वाली, गृहिणी और कामकाजी भूमिका निभा रही महिलाएं पुरुषों की तुलना में काफी अधिक तनाव का अनुभव करती हैं। आंकड़े बताते हैं कि तनाव का अनुभव करने वाली महिलाओं की संख्या समान आयु के पुरुषों की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक है। बावजूद इसके स्ट्रेस को लेकर जागरूकता का अभाव है। तनाव को स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या समझा ही नहीं जाता। इसके कारणों पर गौर नहीं किया जाता। तनाव के कारणों और इलाज के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सन् 1992 से हर वर्ष अप्रैल को तनाव जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। महीने भर स्ट्रेस से पैदा हो रही समस्याओं पर खुलकर बातचीत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। साथ ही मित्रों, परिवारों, सहकर्मियों और पेशेवर लोगों के साथ अपनी मानसिक और भावनात्मक स्थिति के बारे में खुलकर बात करने का परिवेश बनाने की भी कोशिशें की जाती हैं।

**अपनी देखभाल को दें प्राथमिकताः** हमारा सामाजिक-पारिवारिक ढांचा ही ऐसा है कि महिलाएं खुद की देखभाल को कभी प्राथमिकता नहीं दे पातीं। इसके कारण घर-दफ्तर की भागम-भाग में लगी महिलाएं कई शारीरिक समस्याओं की गिरफ्त में आ जाती हैं। कमर दर्द, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा, थायरॉइड जैसी व्याधियां आम हो चली हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट कहती है कि देश की आधी आबादी अपने खान-पान का ध्यान नहीं रखती है। 32 से 58 वर्ष की महिलाओं के बीच हुए इस सर्वे के अनुसार 83 प्रतिशत महिलाएं किसी तरह का व्यायाम नहीं करतीं और 57 फीसदी महिलाएं खाने में फल-सब्जी का कम उपयोग करती हैं। आराम करने, किसी बात के लिए न कहने और सहजता से जीने के मामले में भी महिलाएं जरा पीछे ही हैं। वहीं एक्सरसाइज से दूरी खान-पान में लापरवाही, शरीर और मन दोनों की सेहत बिगाड़ती है। ऐसी सभी बातें तनाव की भी जड़ हैं। ऐसे में अपनी देखभाल करते हुए स्ट्रेस से जूझने के मोर्चे पर महिलाएं स्वयं अपना हाथ थामें।

**स्वयं को संभालेंः** घर-परिवार और वर्कप्लेस दोनों ही जगहों पर परफेक्शन की उम्मीद, महिलाओं के लिए कितनी ही तनाव की वजह बनती हैं। बढ़ती उम्र और जिम्मेदारियों के साथ ऐसी उलझनें भावनात्मक बिखराव भी लाती हैं। इन तनाव भरी परिस्थितियों को जीते हुए बहुत-सी स्त्रियां अवसाद के स्याह अंधेरे में खो जाती हैं, जिससे नींद न आना, बात-बात पर गुस्सा आना, चिड़चिड़ापन, याददाश्त में कमी जैसी परेशानियां भी पैदा होती हैं। 2026 के ग्लोबल स्लीप सर्वे में सामने आया है कि फैमिली ड्यूटीज के कारण 39 प्रतिशत महिलाओं की नींद खराब होती है। कई महिलाएं 4 घंटे की गहरी नींद के लिए भी संघर्ष करती हैं। ग्लोबल स्लीप सर्वे के मुताबिक भारत में महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक अनिद्रा से जूझ रही हैं। ऐसे में स्ट्रेस देने वाली नकारात्मक भावनाओं और परिस्थितियों से बचने के लिए जिंदादिली के साथ हर हालात को जीने का जज्बा लाएं। तनाव के घेरे में आने पर अकेले जूझने के बजाय अपनों से बात करना और पेशेवर सलाह लेना बेहद जरूरी है। ध्यान रहे कि यह तभी संभव है, जब स्त्रियां स्वयं अपने मन को संभालने को लेकर सजग होंगी।

विकास के नाम पर आज जिस तरह प्राकृतिक दोहन हो रहा है, यह एक बड़ी चिंता का विषय है। समय रहते हम न चेते तो पृथ्वी का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। इसलिए बहुत जरूरी है, हम अपनी प्राकृतिक संपदा बचाएं, धरा हरी-भरी रहे। महिलाएं इस काम में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं।

# सरोकारी सोच से रहेगी धरा हरी-भरी

सजगता
चैतन्या

पृथ्वी और स्त्री दोनों ही जीवन का आधार हैं। सृजन और पोषण का भाव दोनों के ही हिस्से आया है। इतना ही नहीं, धरा के समान ही महिलाएं भी बहुत सहनशील होती हैं। मां धरती अन्न, जल, वायु और सुरक्षा देकर जीवन सहेजती है। ठीक इसी तरह स्त्रियां भी रिश्तों-नातों को सींचती हैं। यही वजह है कि मदर अर्थ की रक्षा में महिलाओं की भागीदारी बहुत अहम हो जाती है। स्त्रियों में बचाने, सहेजने की एक नेचुरल समझ होती है। आज ही नहीं आने वाले कल को लेकर वे सजग रहती हैं। समझना जरूरी है कि धरती के रंग बचाने के लिए भी वर्तमान की सजगता ही आने वाले कल को सहेज सकती है। हमारी पोषक मां, धरती मां ही हमारी शक्ति है। इंसानी जीवन पृथ्वी के आंगन में ही पलता है। इसीलिए ऊर्जा के नए स्रोत तलाशने से लेकर जीवनशैली से जुड़े बदलावों तक, हर फ्रंट पर सही कवायद किए बिना भूमि के रंग सहेजना मुश्किल है।

**इस साल की थीम 'अवर पॉवर-अवर प्लेनेट'ः** पृथ्वी दिवस 2026 की थीम 'अवर पॉवर-अवर प्लेनेट' है। 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' विषय रिन्यूएबल एनर्जी पर फोकस करता है। दो साल के लिए चुने गए इस विषय के तहत पिछले साल भी यह संदेश दिया गया था कि इस ग्रह पर बसने वाले ही इसको बचाने की शक्ति रखते हैं। साझी कोशिशें और सजगता ही पृथ्वी को एक स्वस्थ ग्रह बना सकते हैं। इन साझे प्रयासों को बल देने में स्त्रियों का रोल महत्वपूर्ण है। घर से लेकर परिवेश तक, महिलाएं अवेयरनेस लाने और बेरंग-शुष्क कुदरत को सार-संभाल के भावों की नमी लौटाने के लिए बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को साथ ला सकती हैं। ऐसे में परिवार से हुई शुरुआत परिवेश तक बड़ा बदलाव ला सकती है।

**अनदेखी का दंशः** आखिर मां धरती की बिगड़ती सेहत को लेकर हम कब चेतेंगे? इंसानों को सशक्त बनाने वाले इस प्लेनेट की दूषित होती आबोहवा की सुध कब लेंगे? उजड़ती धरती और प्रदूषित होते हवा-पानी की चेतावनी के बावजूद हम भविष्य की चिंताओं से मुंह फेरे बैठे हैं। धरती मां अपने स्वार्थी बच्चों की हर ज्यादती सह रही है। जबकि धरती के रंग छीनने का मतलब इंसान द्वारा अपनी ही जिंदगी को बेरंग करने जैसा है। याद रहे कि जिस धरा के आंचल में हमें सब कुछ मिलता है, उसकी बेहतरी से ही मानवीय जीवन की बेहतरी भी जुड़ी है। पेड़-पौधों के बिना कुदरत का सूना आंगन और तेज रफ्तार तरक्की के नाम पर अशुद्ध होते जल-थल, वायु के साथ ही दूसरे जीव-जंतुओं की मौजूदगी के बिना इंसानों का जीवन भी कितना अधूरा-सा होगा। कहावत भी है कि 'धरा नहीं होगी तो सब धरा रह जाएगा।' प्रकृति पूजन की रीत वाले भारतीय समाज में धरती के दोहन की मानसिकता सचमुच दुःखद है। हमारे यहां तो पौराणिक और सांस्कृतिक रूप से भी पृथ्वी को देवी माना गया है। कितने ही पर्वों पर पृथ्वी और प्रकृति को ही पूजा जाता है। ऐसे में धरती की बिगड़ती आबोहवा की अनदेखी का दंश खुद इंसानों के लिए भी घातक ही है।

**जरूरतों पर भारी इच्छाएंः** तकलीफदेह है कि धरती मां के बच्चे अपनी आवश्यकताएं पूरी करने की बजाय धरा की झोली ही खाली करने लगे हैं। अपनी चाहतों के फेर में पृथ्वी की गोद सूनी करने का दुस्साहस करने लगे हैं। संसाधनों का सीमित इस्तेमाल करने के बजाय सुविधाजनक जीवनशैली से जुड़ी अंतहीन फेहरिस्त को पूरा करने के लिए कुदरत के हर हिस्से को चोट पहुंचाने लगे हैं। प्रकृति से सिर्फ अधिक से अधिक लेने-जुटाने की सोच रखने वाला इंसान लौटाने का भाव ही भुला चुका है। ऐसे में आवश्यकताओं और इच्छाओं का फर्क समझना जरूरी है।

स्किन केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

# क्लीनिंग करें ऐसे फेस दिखेगा ग्लोइंग

आमतौर पर फेस वॉशिंग को स्किन केयर का सबसे ईजी स्टेप माना जाता है। साफ-सुथरी और ग्लोइंग स्किन पाने की चाहत में अधिकतर महिलाएं दिन में कई बार चेहरा धोती हैं। सही तरीके से चेहरा धोने से त्वचा ताजा, साफ और स्वस्थ दिखती है। लेकिन लगभग 80 प्रतिशत महिलाएं चेहरा धोने में गलतियां करती हैं। यही वजह है कि कई बार चेहरा धोने के बावजूद उनकी त्वचा ग्लोलेस, डल और बेजान-सी दिखती हैं, जिसकी वजह से वे टेंशन में रहती हैं।

**फेस वॉशिंग करें ऐसेः** चेहरा धोते समय की गई कुछ गलतियों की वजह से हमारी त्वचा को फायदे की बजाय नुकसान पहुंचता है और ज्यादातर महिलाएं ये गलतियां अनजाने में कर बैठती हैं।

**पहले हाथ करें साफः** चेहरा धोने से पहले अपने हाथों को साबुन से जरूर साफ कर लें। गंदे हाथों से चेहरा धोने से गंदगी चेहरे पर फैल सकती है, जिससे चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं और कील, मुंहासे निकल आते हैं। इससे त्वचा संबंधी अनेक समस्याएं हो सकती हैं।

**चुनें सही फेस वॉशः** चेहरे को धोने के लिए ज्यादा फेस वॉश का उपयोग नुकसान पहुंचा सकता है। ज्यादा फेस वॉश लगाने से त्वचा का नेचुरल ऑयल खत्म हो जाता है और त्वचा रूखी-रूखी लगने लगती है। चेहरा धोने के लिए मटर के दाने के बराबर फेस वॉश काफी होता है। इसे अपनी हथेली पर डाल कर आपस में रगड़कर झाग बनाएं और साफ अंगुलियों की मदद से गीले चेहरे पर समान रूप से लगाएं। इसे आहिस्ता से गोलाकार गति में लगाएं क्योंकि इसके जोर से रगड़ने से त्वचा में घाव हो सकते हैं। इसके बाद इसे गुनगुने पानी से धो डालें। फेस वॉश का चयन करते समय अपनी स्किन टाइप का ध्यान रखें, क्योंकि गलत फेस वॉश इस्तेमाल करने से नुकसान हो सकता है। ड्राय स्किन के लिए क्रीम आधारित फेस वॉश और सेंसिटिव स्किन के लिए माइल्ड क्लींजर उपयोग करना चाहिए।

**गुनगुना पानी है बेस्टः** गरम पानी से चेहरा धोने से त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है। इससे बचने के लिए त्वचा ज्यादा तेल स्रावित करने लगती है जोकि कील-मुंहासों का कारण बनता है। अगर आप ठंडे पानी से चेहरा धोती हैं तो स्किन पोर्स सिकुड़ जाते हैं, जिससे चेहरा सही तरह से साफ नहीं हो पाता है। अगर आप कील मुंहासों से परेशान हैं तो ठंडे पानी से मुंह धोने से परेशानी बढ़ सकती है, क्योंकि ठंडा पानी त्वचा की सूजन जरूर कम करता है। लेकिन मुंहासों से होने वाली सूजन को कम नहीं कर सकता। इसलिए चेहरा धोने के लिए हमेशा गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें और चेहरा रगड़ने की बजाय थपथपाकर सुखाएं। गुनगुना पानी रोमछिद्रों को खोलकर चेहरे से तेल और गंदगी को पूरी तरह हटा देता है और चेहरे का प्राकृतिक तेल और नमी भी बनाए रखता है।

**बार-बार न करें फेस क्लीनः** चेहरे को सुबह और शाम दो बार धोना बेहतर होता है। सुबह चेहरा धोने से रात की गंदगी और ऑयल क्लीन हो जाता है जबकि शाम को चेहरा धोने से दिन भर की धूल, मिट्टी और प्रदूषण हट जाता है। इससे अधिक यानी दिन में बार-बार चेहरा धोना त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इससे आपकी त्वचा रूखी और खिंची-खिंची सी लगती है क्योंकि बार-बार चेहरा धोने से चेहरे की त्वचा में मौजूद प्राकृतिक तेल और नमी गायब हो जाती हैं जिससे चेहरे की सुरक्षा परत कमजोर हो जाती है।

हेल्दी रहने के लिए आपको यह समझना भी जरूरी है कि शरीर को प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फैट के अलावा किन पोषक तत्वों की भी विशेष तौर पर जरूरत होती है? इस बारे में दे रहे हैं, आपके लिए बहुत यूजफुल सजेशंस।

# न्यूट्रिएंट्स से भरपूर हो आपकी डाइट

डाइट सजेशन
राजकुमार 'दिनकर'

हमेशा हेल्दी और एनर्जेटिक रहने के लिए हमारे खाने की आदतें सही होना जरूरी है। बैलेंस्ड डाइट के लिए आप अपने भोजन को मुख्य रूप से तीन वर्ग में विभाजित कर सकते हैं। ऊर्जा देने वाला भोजन, शरीर को मजबूत बनाने वाला भोजन और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाला भोजन। यहां हम आपको इसी आधार पर प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फैट के अलावा डाइट में शामिल किए जाने वाले जरूरी न्यूट्रिएंट्स के बारे में बता रहे हैं।

**फाइबरः** घुलनशील फाइबर वाले खाद्य जैसे-ओट्स, मटर, बींस, सेब, रसेदार फल, गाजर और जौ शरीर में कोलेस्ट्रॉल बनने से रोकते हैं और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाते हैं। अघुलनशील फाइबर जैसे गेहूं, चोकर, नट्स, बींस, टमाटर, फूलगोभी आदि में मौजूद फाइबर, पाचन को दुरुस्त रखता है।

**मिनरल्सः** शरीर में पर्याप्त कैल्शियम की मौजूदगी का मतलब है मजबूत दांत और हड्डियां। इससे शरीर में मांसपेशियों की अच्छी वृद्धि होती है और हार्ट भी हेल्दी रहता है। कैल्शियम के लिए आपको दूध और दुग्ध उत्पादों के अलावा पालक, सफेद बींस, ब्रोकली और लाल बींस खाने चाहिए।

आयोडीन मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और थाइरॉयड से होने वाले बुरे प्रभावों से हमारे शरीर की रक्षा करता है। इसे आप नमक, मछली, बटर और गहरे रंग की हरी सब्जियों से हासिल कर सकते हैं।

जिंक मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के बीच बैलेंस बनाता है। इसके लिए काजू, बादाम, मटर, अंडे, अदरक को अपने भोजन में जरूर शामिल करना चाहिए।

**एंजाइम्स रिच फूडः** कच्चे फलों में मौजूद एंजाइम्स पाचन क्रिया दुरुस्त करते हैं। खरबूजा, कोकोनट वाटर, फ्रूट सलाद, बटर मिल्क, कच्चे बादाम, सूशी जैसे खाद्य पदार्थ शरीर में एंजाइम्स के लिए हेल्पफुल होते हैं।

**एल्केलाइन फूडः** एल्केलाइन फूड्स इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। इसके लिए ब्रोकली, बंदगोभी, फूलगोभी, स्प्राउट्स, सेलरी, शलगम और पालक खाएं। नीबू सबसे अच्छा एल्केलाइन फूड माना जाता है, जो एसिडिटी, कफ, कोल्ड, फ्लू और हर्ट बर्न से बचाता है।

**पानीः** अपने शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स में संतुलन के लिए प्रतिदिन 10 से 12 गिलास पानी पीना चाहिए। यह शरीर के जोड़ों के लिए लुबरीकेंट बढ़ाने में मदद करता है। पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है और आंखों की नमी बरकरार रखता है। इससे शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है और शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालता है। इसलिए प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ और शुद्ध पानी पीना चाहिए।

## खबर संक्षेप

### बीकेएन में चयन साक्षात्कार

**नारनौल।** बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में एटीएल बैटरियां टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से चयन साक्षात्कार का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान की मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन एवं कंट्रोल शाखा के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। चयन प्रक्रिया के अंतर्गत लिखित परीक्षा आयोजित की गई। इसके पश्चात सफल अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया। जिसमें उनके आत्मविश्वास, व्यवहारिक ज्ञान तथा कार्य करने की क्षमता को परखा गया।

### हर शिकायत की रिपोर्ट भेजें अधिकारीः डीसी

**नारनौल।** समाधान शिविर नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए एक बहुत ही बेहतरीन प्लेटफार्म है। ऐसे में यहां आने वाली हर शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक्शन टेकन रिपोर्ट भेजी जाए, ताकि वह शिकायत बार बार ना आए। यह निर्देश उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने सोमवार को लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर के दौरान उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए दिए। समाधान शिविर में 74 नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखी।

### श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति में विधि-विधान से पूजा, भक्तिमय माहौल में हुआ प्रसाद वितरण

# मोदाश्रम मंदिर के नव-निर्मित शिखर पर कलश स्थापना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

जय मोदेश्वर महादेव के जयकारों के बीच सोमवार को दोहान नदी के मध्य स्थित मोदाश्रम मंदिर में नव-निर्मित शिखर पर विधि-विधान के साथ कलश स्थापना का शुभ कार्य संपन्न हुआ। इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस पावन अवसर पर राजेंद्र गर्ग अपनी पत्नी सरोज देवी के साथ तथा पंकज गर्ग अपनी पत्नी प्रियंका गर्ग के साथ मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहकर पूरे गर्ग परिवार के साथ विधिवत पूजा संपन्न करवाई। मोदाश्रम समिति प्रधान सुधीर दीवान ने बताया कि यह आयोजन सभी श्रद्धालुओं के सहयोग और आस्था का प्रतीक है। मंदिर के शिखर पर स्थापित कलश के दर्शन मात्र से पापो का नाश हो जाता है। उन्होंने सभी उपस्थित भक्तों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता, श्रद्धा और संस्कृति को सुदृढ़ करते हैं। समापन पर प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। पंडित गौरव व केशव शास्त्री सहित अनेक विद्धवान पंडितों ने वेद मंत्रों के उच्चारण और पूजा-अर्चना के साथ कलश स्थापना की गई, जिससे पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। इस अवसर को श्रद्धालुओं ने अत्यंत गौरव एवं आस्था का क्षण बताया। कार्यक्रम में परमानंद गर्ग, विनोद गर्ग, सुनील गर्ग, प्रमोद गर्ग, सुरेश सोनी, राजू सैनी, नरेश, चेयरमैन सुनील सैनी, मुकेश मेहता, भगवान दास सैनी, नरेश जोशी, दीपक गर्ग, सुशील शर्मा सहित अनेक भक्तों ने अपनी उपस्थिति होकर भक्तिभाव से पूजा अर्चना की।

महेंद्रगढ़। मंदिर के शिखर पर कलश स्थापना से पूर्व उपस्थित भक्त।

## कलश यात्रा से संगीतमय श्रीराम कथा का शुरु

*महेंद्रगढ़। शहर के सिनेमा रोड स्थित भागाराम कॉलोनी की बंसल आई केयर वाली गली में सोमवार को एक भव्य कलश यात्रा से सात दिवसीय संगीतमय श्री रामकथा का शुभारंभ किया गया। यह कलश यात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई वापिस कथा स्थल पर पहुंची। इस कार्यक्रम के यजमान देवीदत्त सोनी एवं सीमा सोनी सपरिवार थे, जो अपने सिर पर श्री रामचरितमानस के ग्रंथ को उठाकर कथावाचक राम जीवन दास महाराज के साथ चल रहे थे, जबकि सुरेश सैनी उर्फ चांद, राकेश अग्रवाल, बिट्टू, महेंद्र मांड्या व सीताराम जांगिड़ का भी विशेष सहयोग रहा। 31 कलश के साथ साथ सैंकड़ों स्त्री पुरुष और बच्चे ढोल नगाड़े से भक्तिभाव में झूमते हुए यात्रा में शामिल हुए। धार्मिक प्रवक्ता अमरसिंह सोनी ने बताया कि समस्त भागाराम कॉलोनी वासियों की ओर से आयोजित यह श्रीराम कथा 20 से 26 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 3:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक भागाराम कॉलोनी की बंसल आई केयर वाली गली में होगी तथाअप्रैल को प्रातः 9:15 बजे हवन पूजन और व्यास पूजा के साथ इस सात दिवसीय संगीतमय श्री रामकथा का समापन किया जाएगा।*

## सिगड़ी में वृद्ध आश्रम और गोशाला निर्माण के लिए भूमि पूजन

**महेंद्रगढ़।** गांव सिगड़ी में समाज सेवा और धार्मिक आस्था से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रकल्प की नींव रखी गई। श्री राधा-माधव सेवा कुंज परिसर में श्री राधा-कृष्ण मंदिर, वृद्ध आश्रम और गोशाला के निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम न्यू विजन फाउंडेशन द्वारा भूमिका कॉलेज के सहयोग से संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने भाग लेकर इसे सफल बनाया। कार्यक्रम में हरियाणा प्रांत संघ चालक प्रताप सिंह ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में समाज सेवा, गौसंवर्धन और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा प्रकल्प समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ-साथ लोगों में जागरूकता भी बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि वे समाज हित के कार्यों में भाग लें और सेवा भाव को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। न्यू विजन फाउंडेशन चेयरमैन अजय सिगड़िया ने बताया कि श्री राधा-माधव सेवा कुंज परिसर में एक भव्य श्री राधा-कृष्ण मंदिर का निर्माण किया जाएगा, जहां धार्मिक गतिविधियों का आयोजन होगा। इसके साथ ही बुजुर्गों की सेवा और देखभाल के लिए एक आधुनिक सुविधाओं से युक्त वृद्ध आश्रम स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा असहाय, बीमार और घायल गौवंश की देखभाल के लिए गोशाला का निर्माण भी इस प्रकल्प का प्रमुख हिस्सा होगा। उन्होंने बताया कि यह सेवा कुंज न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि समाज के जरूरतमंद वर्गों के लिए सहारा और सेवा का एक सशक्त माध्यम भी साबित होगा। इस पहल से क्षेत्र में सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को सेवा कार्यों के लिए प्रेरणा मिलेगी। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस मौके पर फाउंडशन संरक्षक रामचंद्र यादव, जिला संघचालक कैप्तान हंसराज, जिला संघचालक, नगर पालिका कनीना प्रधान रिंपी यादव, सत्यव्रत शास्त्री, रामजीवन मित्तल, एबीवीपी के जिला अध्यक्ष अविनाश, सैनी सभा प्रधान सुरेश सैनी, राधेश्याम गोमला आदि रहे।

### छात्राओं को दी जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी की जानकारी

**कनीना।** जीएल महिला महाविद्यालय के भूगोल विभाग की ओर से ड्रोन एवं जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी अनुप्रयोग एवं करियर अवसर विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने जिज्ञासा के साथ हिस्सा लिया। इस बारे में महाविद्यालय की ओर से डॉ. रिम्पी लोढ़ा ने बताया कि स्काइलाइन इंस्टीट्यूट ऑफ जियोइंफॉर्मेटिक्स रोहतक के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में छात्राओं को ड्रोन सर्वे, मैपिंग और जियोस्पेशियल डेटा के उपयोग जैसी जानकारी दी। जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी का उपयोग कृषि, शहरी नियोजन, आपदा प्रबंधन व शिक्षा जैसे क्षेत्र में तेजी से किया जा रहा है।

कनीना। छात्राओं को ड्रोन सर्वे की जानकारी देते विशेषज्ञ।

कनीना। नई अनाज मंडी में गेहूं की आवक।

### कनीना में गेहूं की आवक तेज

**कनीना।** नई अनाज मंडी चेलावास में बीती एक अप्रैल से शुरू हुई गेहूं खरीद कार्य में लगातार तेजी आ रही है। जिसके चलते अब तक लगभग 65000 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है, बायोमेट्रिक तरीके से हुई इस खरीद एजेंसी व मार्केट कमेटी ने राहत की सांस ली है। सोमवार को मार्केटिंग बोर्ड के डीएमईओ जगजीत कादियान, हैफेड के डीएम प्रवीण भारद्वाज ने मंडी को दौरा कर खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीद कार्य फूड सप्लाई विभाग की ओर से किया जा रहा है और खरीद के 72 घंटे बाद किसानों को भुगतान किया जा रहा है। खरीद व उठान कार्य जारी रहने से किसानों को लंबी लाइनों से निजात मिली है। फूड सप्लाई के खरीद अधिकारी प्रवीन कुमार के अनुसार सरकार के निर्देशों के अनुरूप न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से गेहूं की खरीद की जा रही है।

# लाइफ साइंस थर्ड सेमेस्टर के चार विद्यार्थी टॉप-10 में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर द्वारा लाइफ साइंस थर्ड सेमेस्टर स्नातक विभाग का परीक्षा परिणाम जारी किया गया, जिसमें यदुवंशी कॉलेज के भूमि अरोड़ा पुत्री दीपक अरोड़ा तीसरे, प्रीति पुत्री राजीव कुमार पांचवें, खुशी पुत्री गौतम छठे और अनुष्का पुत्री जयसिंह ने आठवां स्थान पर कब्जा किया।

संस्था चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि लाइफ साइंस डिपार्टमेंट का परीक्षा परिणाम बहुत ही सराहनीय है। यह सब विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण को दर्शाता है। इस अवसर पर संस्था वाइस चेयरमैन एडवोकेट करन सिंह यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव, सीईओ तनीष राव, ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव, डॉ. प्रदीप यादव, कॉलेज प्राचार्य बबरूभान ने सभी लाइफ साइंस डिपार्टमेंट के विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों का परिणाम है, बल्कि पूरे संस्था के सामूहिक प्रयास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उच्च कोटि का अनुशासन का प्रतिफल है।

आने वाले समय में भी यदुवंशी कॉलेज इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देकर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखेंगा।

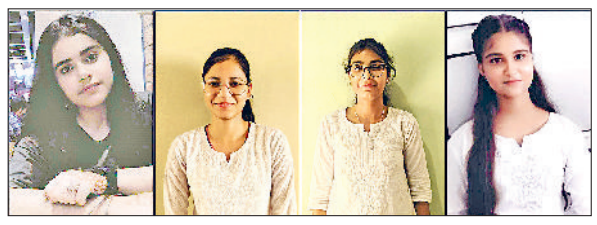

महेंद्रगढ़। टॉप रहने वाले विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

## खबर संक्षेप

### सीजेएम ने बंदियों के अधिकार पर की बैठक

**नारनौल।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने सोमवार को अपने कार्यालय में जेल में बंद गरीब कैदियों के कानूनी अधिकार, विधवा सेल की कार्यप्रणाली व गुमशुदा बच्चों से संबंधित संशोधित मॉडल प्रोसिक्यूशन स्कीम 2022 के प्रभावी कार्यान्वयन के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक की। सीजेएम नीलम कुमारी ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों को न्याय दिलाना और सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। उन्होंने गरीब बंदियों के अधिकार के बारे में अधिकारियों को निर्देश दिए कि आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों को समय पर मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि कोई भी व्यक्ति गरीबी के कारण न्याय से वंचित न रहे।

### अधिकारी शिकायत का यथासंभव करें निपटाराः एसडीएम

**महेंद्रगढ़।** एसडीएम योगेश सैनी ने कहा कि अधिकारी समाधान शिविरों की लंबित शिकायतों का यथाशीघ्र उचित निपटारा करें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों पर आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में एक ही छत के नीचे सभी विभागों से संबंधित शिकायतों का निपटारा किया जा रहा है। एसडीएम योगेश सैनी ने स्थानीय लघु सचिवालय स्थित एसडीएम कार्यालय कोर्ट रूम में सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में लोगों की जनसमस्याओं की सुनवाई की। एसडीएम ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने समस्याओं को सुनते हुए निर्देश दिए कि संबंधित विभाग के अधिकारी समाधान शिविर में प्राप्त हो रही हर शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करें। समाधान शिविर में प्राप्त हो रही शिकायतों के निपटारे की सरकार द्वारा निरंतर निगरानी की जा रही है तथा सप्ताह के हर शुक्रवार को इन शिकायत के निपटारे की समीक्षा की जाती है।

### प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने बढ़ाया बच्चों का हौसला

**नारनौल।** शहर के ऐतिहासिक छोटा बड़ा तालाब की स्वच्छता के लिए निरंतर प्रयास कर रहे स्लम एरिया टैलेंट टीम के बच्चों का प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। ट्रस्टी नरोत्तम सोनी के नेतृत्व में शिक्षाविद श्रीकांत शर्मा व विक्रम सिंह की टीम मौके पर पहुंची और बच्चों के इस सराहनीय कार्य की खुले दिल से प्रशंसा की तथा इस साहसी व समाजहित में किए जा रहे कार्य को देखते हुए टीम के बच्चों को मेडल देकर सम्मानित किया। संस्था प्रमुख हनी गुप्ता को भी स्मृति चिन्ह भेंट कर इस अनूठे प्रकल्प के सफल संचालन के लिए बधाई दी। गौरतलब है कि स्लम एरिया टैलेंट टीम पिछले कुछ समय से छोटा बड़ा तालाब और उसके आसपास के क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चला रही है।

### पोषण पखवाड़ा के तहत हुआ जागरूकता कार्यक्रम

**मंडी अटेली।** दौंगड़ा अहीर के आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को संतुलित आहार, शुद्ध पेयजल और स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन के खंड संसाधन संयोजक धर्मेंद्र ने बताया कि पोषण पखवाड़ा का मुख्य उद्देश्य बच्चों को कुपोषण से बचाना है। उन्होंने अभिभावकों से कहा है कि वे बच्चों को नियमित रूप से संतुलित और पौष्टिक आहार दें। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को निर्धारित डाइट चार्ट के अनुसार भोजन उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही शून्य से छह वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित जांच आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा वर्करों के माध्यम से की जाती है। अभिभावकों से आग्रह किया गया कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र भेजें, ताकि उन्हें प्रारंभिक शिक्षा के साथ-साथ उचित पोषण भी मिल सके।

# अटेली में महिला कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

**मंडी अटेली।** महिला आरक्षण बिल को शीघ्र लागू करने की मांग को लेकर सोमवार को अटेली में महिला कांग्रेस द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया गया। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष डा. राजवती यादव के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और केंद्र सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. राजवती ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण का मुद्दा कांग्रेस की दूरदर्शी सोच और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश को गुमराह कर रही है और यह झूठा प्रचार कर रही है कि कांग्रेस महिला आरक्षण के खिलाफ है, जबकि सच्चाई यह है कि वर्ष 2023 में महिला आरक्षण बिल संसद द्वारा पारित होकर संविधान का हिस्सा बन चुका है। डॉ. राजवती ने आगे कहा कि कांग्रेस और महिला कांग्रेस ने महिला आरक्षण की आड़ में सरकार द्वारा किए जा रहे परिसीमन के प्रयासों को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को उनका अधिकार देने में हो रही देरी सरकार की नीयत पर सवाल खड़े करती है। महिला कांग्रेस ने मांग करते हुए कहा कि 2023 में पारित महिला आरक्षण बिल को बिना किसी शर्त के तुरंत लागू किया जाए।

# भारतीय वैदिक महासंघ की स्थापना समाज सुधार का लिया संकल्प

**नारनौल।** ब्रह्मवादिनी आश्रम गुरुकुल गणियार में आचार्य कलावती शास्त्री के नेतृत्व में भारतीय वैदिक महासंघ की विधिवत स्थापना की गई। इस अवसर पर जिलेभर से पहुंचे करीब 200 आर्य समाज कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण बना दिया। संस्था का मुख्य कार्यालय भी इसी आश्रम परिसर में स्थापित किया गया है, जो लगभग एक एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित है। कार्यक्रम के दौरान महासंघ की कार्यकारिणी का गठन किया गया। आचार्य कलावती शास्त्री को प्रधान, डॉ. रामनिवास आर्य को उपप्रधान, महाशय सतबीर दताल को मंत्री, अमृतलाल आर्य को कोषाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिवक्ता धर्मवीर यादव को निदेशक, बुद्धदेव यादव को सलाहकार तथा श्वेता शाह को प्रेस सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। समारोह की अध्यक्षता स्वामी विजयवेश ने की। संस्था का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करना, पाखंड और अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता फैलाना तथा आर्य समाज के सिद्धांतों का व्यापक प्रचार-प्रसार करना है।

नारनौल। गणियार में आयोजित आर्य समाज के कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

# रामशरण यादव सर्वसम्मति से बने नारनौल ब्रांच के प्रधान

**नारनौल।** हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन (रजि. नं. 41) से संबंधित पब्लिक हेल्थ ब्रांच नारनौल की एक महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस स्थित यूनियन कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान रमेश चंद्र यादव ने की, जिसमें कर्मचारियों की विभिन्न मांगों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान एक अहम घटनाक्रम में ब्रांच प्रधान रमेश चंद्र यादव ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद सर्वसम्मति से रामशरण यादव को आगामी तीन वर्षों के लिए ब्रांच प्रधान चुन लिया गया। कर्मचारियों ने उनका स्वागत करते हुए संगठन को मजबूती से आगे बढ़ाने का भरोसा जताया। बैठक में कर्मचारियों ने कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने ग्रामीण पेयजल आपूर्ति को पंचायतों के अधीन देने के सरकार के निर्णय का कड़ा विरोध किया। साथ ही वर्ष 2020 से 2023 तक लंबित एलटीसी को तुरंत जारी करने की मांग की गई। कर्मचारियों को मिलने वाले बैट्री सेल और साबुन लंबे समय से लंबित पड़े हैं, जिन्हें शीघ्र उपलब्ध कराने की बात भी प्रमुखता से उठाई गई। इसके अलावा कर्मचारियों ने रेगुलर कर्मचारियों को रेनकोट व डांगरी की भुगतान, सभी वाटर वर्क्स पर रंग-रोगन कराने, बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था करने तथा बिजली के जियो स्विच दुरुस्त कराने की मांग रखी।

## सिसोठ गांव में नवजात कन्या के स्वागत में थाली बजाकर मनाई खुशी

# बेटी होने पर कुआं पूजन कर दिया बेटा-बेटी समानता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

बेटी जन्म होने पर कलयुग में कई माता पिता बेटी के जन्म लेने पर, जहां मायूस हो जाते है और बेटी को अभिशाप मानते है। ठीक इसके विपरित गांव सिसोठ निवासी कर्णसिंह की पुत्रवधु लक्ष्मी पत्नी अजय यादव ने 27 मार्च को पहली संतान बेटी को जन्म दिया।

परिजनों ने इसे लक्ष्मी मानते हुए कुआं पूजन करके बेटा-बेटी समानता का संदेश दिया। समाजसेवी मुकेश कुमार चौहान ने बताया कि नवजात कन्या के बाद परिजन द्वारा बच्ची के जन्म लेने की खुशी में पड दादी चंद्रावली, दादी शर्मिला, कविता, सुशीला, सुनीता, संतरा, इंद्रा, ममता, सुनीता, रामकलां, माया, सुमन ने घर पर थाली बजाकर खुशी मनाई। ननिहाल सिहोर में गुड की भेली भेजी।

जन्म के छठे दिन परिजनों द्वारा छट्ठी मनाई। 19 अप्रैल को ननिहाल द्वारा छुछक दिया और परिजनों ने डीजे के साथ नाचते हुए बेटी का कुआं पूजन किया। इस नेक कार्य में नवजात कन्या की माता लक्ष्मी एवं पिता अजय यादव ने समाज में बेटियों के प्रति धारणा बदलने का संदेश देने का प्रयास किया है।

महेंद्रगढ़। कन्या की माता को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

### ये रहे मौजूद

शिन महेंद्रगढ़ अपना जल टीम सदस्य मुकेश चौहान, हरियाणा पुलिस में कार्यरत रोहित फौजी, प्रधान संदीप यादव, सूबेदार सतबीर सिंह, इंस्पेक्टर सुरेंद्र यादव, राजेन्द्र, रामनिवास, प्रह्लाद पंच, मा. नित्यानंद, संदीप मैनेजर ने कन्या का कुआं पूजन करने पर परिजनों को ममाज की तरफ हरियाली का प्रतीक पौधा भेंटकर नवजात कन्या को अपना आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर बुआ अनीता, सुनीता, आशा सहित परिवार की अनेक महिलाएं उपस्थित रही।

### बसई में घोड़ी पर बैठाकर निकाला बेटी का

**महेंद्रगढ़।** बेटियां आज किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं है, घर की जिम्मेदारियों से लेकर व्यापार, नौकरी यहां तक कि हवाई जहाज उड़ाने तक हर क्षेत्र में बेटियां अपना परचम लहरा रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायक मिसाल गांव बसई में देखने को मिली, जहां शीला देवी पत्नी स्वर्गीय कृष्ण कुमार ने अपनी बेटी की शादी में सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ते हुए बेटी मंजू (मोनिका) का बनवारा घोड़ी पर बैठाकर निकाला और समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया है। लड़की के ताऊ अमरसिंह ने बेटी मंजू (मोनिका) का बनवारा निकालते हुए कहा कि बेटा-बेटी में कोई फर्क नहीं है, बेटियां माता-पिता और परिवार की शान होती है। गांव बसई निवासी मंजू (मोनिका) पुत्री स्वर्गीय कृष्ण कुमार की शादी गांव सिसोठ निवासी हरिराम फोरमैन के पोते एवं समाजसेवी मुकेश चौहान के भतीजे योगेश पुत्र स्वर्गीय रामपाल चौहान के संग 20 अप्रैल को होनी निश्चित है। बेटी मंजू (मोनिका) एमएससी करके बीएड कर रही है, जबकि योगेश बीएससी और फार्मेसी की डिग्री कर रखी है।

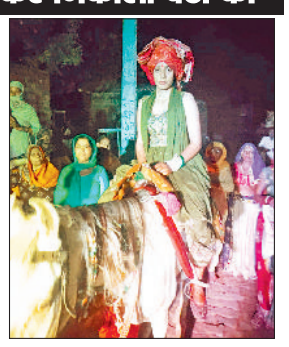

### धौलेड़ा में बेटी का घोड़ी पर निकाला बनवारा

**नांगल चौधरी।** धौलेड़ा में शिक्षक जगजीत सिंह ने बेटी प्रियंका यादव का घोड़ी पर बनवारा निकालकर समाज को बेटा बेटी में भेदभाव मिटाने का संदेश दिया है। बनवारे में लड़कों तर्ज में डीजे बजाकर खुशियां मनाई तथा पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने बेटियों को पढ़ाने तथा सामाजिक कुरीतियों को मिटाने का आह्वान किया।

### सार्वजनिक सूचना

मै कर्मबीर पुत्र होशियार सिंह वासी गांव मंडलाना तहसील नारनौल जिला महेंद्रगढ हरियाणा बयान करता हूं कि मैने अपने पुत्र प्रवीन व उसकी पत्नी रेणु को अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल किया हुआ है। अब मेरा पुत्र प्रवीन व पुत्रवधु रेणु मेरा कहना मानते हैं व घर में आराम से रहते हैं। इसलिए अब उनको मेरी सभी चल व अचल संपत्ति में कानूनन हक होगा। इस बाबत मुझे कोई एतराज नहीं है।

## खबर संक्षेप

### पोषण माह के तहत जागरूकता कार्यक्रम

**सतनाली मंडी।** पोषण माह के अंतर्गत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महिला अध्ययन एवं विकास प्रकोष्ठ के तत्वावधान में जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ करते हुए महिला अध्ययन एवं विकास प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अन्नू ने पोषण माह के महत्व पर प्रकाश डाला।

### कुलदीप भरगड़ राष्ट्रीय मंत्री नियुक्त

**नारनौल।** अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक पुरुषोत्तम पाटिल व राष्ट्रीय महामंत्री

बच्चू सिंह बैंसला ने समाजसेवी एडवोकेट कुलदीप सिंह भरगड़ को अखिल भारतीय गुर्जर महासभा में राष्ट्रीय मंत्री के पद पर नियुक्त किया हैं। इस नियुक्ति से क्षेत्र व समाज में खुशी की लहर है। कुलदीप सिंह भरगड़ लंबे समय से समाज सुधार के कार्यों में सक्रिय हैं।

### 30 अप्रैल तक होने वाली स्व-गणना में लें भाग

**महेंद्रगढ़।** एसडीएम योगेश सैनी ने बताया कि हरियाणा में जनगणना-

2027 के तहत स्व-गणना प्रक्रिया 16 से शुरु हो गई है, जो 30 अप्रैल तक चलेगी। इस दौरान नागरिक आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपनी जनगणना से जुड़ी जानकारी स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद एक से 30 मई तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना एचएलओ का कार्य किया जाएगा।

### अप्रैल में पुलिस ने काटे 3173 वाहनों के चालान

**नारनौल।** पुलिस अधीक्षक निर्देशन में पुलिस सड़क हादसों पर प्रभावी रोकथाम लगाने व यातायात नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रभावी कार्रवाई कर रही है। यातायात नियमों की अनदेखी के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुएए पुलिस ने अप्रैल माह में अब तक कुल 3173 वाहनों के चालान किए हैं।

विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय स्कूल गेम फाउंडेशन ऑफ इंडिया की प्रतियोगिता में सर्वाधिक 35 मेडल जीतकर बनाया रिकार्ड

# शारीरिक शिक्षक अखिलेश ने विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा निखारने का उठाया बीड़ा, एक साल में जीते 95 मेडल

हरिभूमि न्यूज ⏭नांगल चौधरी

स्वयं दीपक बनकर दूसरों की राहों में उजाला करना ही शिक्षक का नैतिक दायित्व ता है। यह साबित किया है राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल कांवी में सेवारत शारीरिक शिक्षक अखिलेश तंवर ने, जिन्होंने स्कूल की ड्यूटी के साथ ग्रामीण युवाओं का भविष्य संवारने का बीड़ा उठाया है। उनके प्रयासों से स्कूली विद्यार्थियों ने बीते साल विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में 95 मेडल जीतने का कीर्तिमान स्थापित किया है। बीते दिनों स्कूल गेम फाउंडेशन ऑफ इंडिया की स्पर्धा में सर्वाधिक 35 मेडल जीतने का रिकार्ड स्थापित किया है। इतना ही नहीं, 30 से अधिक युवा फिजिकल टेस्ट क्लीयर करके आर्मी व पुलिस विभाग में चयनित हो चुके हैं। जिससे शारीरिक शिक्षक अन्य स्टॉफ सदस्यों के लिए प्रेरणास्त्रोत बने हुए हैं।

## ग्रामीण युवाओं को मिला अभ्यास का मंच, स्टेट लेवल की दौड़ में जीते गोल्ड मेडल

### बेटियों ने मैराथन में लहराया परचम

महेंद्रगढ़ में व्यवसायिक संस्थान या उच्च स्तरीय तकनीकी शिक्षा की सुविधा भी उपलब्ध नहीं। जिस कारण ग्रामीण युवाओं का रूझान आर्मी, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ या पुलिस विभाग की तरफ बढ़ने लगा है, लेकिन इसके लिए लिखित परीक्षा पास करने के बाद फिजिकल टेस्ट क्वालीफाई करना अनिवार्य है। अधिकांश गांवों में खेल स्टेडियम या पर्याप्त ग्राउंड नहीं है, जिस कारण उन्हें अभ्यास करना संभव नहीं हो पाता। समस्या की जानकारी मिलने पर कांवी स्कूल में सेवारत डीपीई अखिलेश तंवर ने ग्रामीणों के सहयोग से ग्राउंड व संसाधनों का प्रबंध किया। ग्रामीणों की निगरानी में लड़के और लड़कियों के अलग अलग समय पर शारीरिक अभ्यास का शेड्यूल बनाया। इसके बाद सुबह छह से आठ बजे तक गांव के युवाओं को दौड़, लॉन्ग जंप, हाईजंप व अन्य कसरत करानी आरंभ की। जिसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आने आरंभ हो गए। बीते दिनों नारनौल में जिला स्तरीय मैराथन का आयोजन हुआ, जिसमें कांवी स्कूल के 31 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था। छात्रा कोमल व अंजली ने पांच किलोमीटर लंबी रेस में प्रथम स्थान हासिल करके गांव का नाम रोशन किया है।

**नांगल चौधरी।** खेल प्रतियोगिताओं में जीते मेडल पर खुशी प्रकट करते विद्यार्थी।

### लड़कियों में बढ़ा खेलों का जुनून, 15 किलोमीटर की मैराथन में रही प्रथम

खेलकूद प्रतियोगिताएं पहले लड़कों तक ही सिमित थी, लेकिन डीपीई अखिलेश तंवर के प्रयासों से लड़कियों में खेल और शारीरिक अभ्यास का जुनून पैदा हुआ है। स्कूल की छात्राओं ने 5000 मीटर से लेकर 15 किलोमीटर लंबी मैराथन में प्रथम स्थान अर्जित करके गांव का नाम रोशन किया है। पहले करीब 30 महीने तक कमानिया स्कूल में सेवाएं दी है, वहां भी डीपीई ने ग्रामीणों की मदद से ग्राउंड तैयार करवाकर सैकड़ों युवाओं का शारीरिक अभ्यास कराया था।

### खेल नर्सरी की स्वीकृति से युवाओं को प्रतिभा निखारने में मिलेगी मदद

रिटायर्ड आईएएस विनय सिंह, डॉ. बलराज, दिनेश मास्टर, अशोक कुमार, राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि शारीरिक शिक्षक अखिलेश तंवर के प्रयासों से विद्यार्थियों में खेल प्रतिभा विकसित हुई है। विभिन्न खेलों में मेडल जीतने की उपलब्धियों पर विभाग ने खेल नर्सरी स्वीकृत की है, जिसमें युवाओं को खेल प्रतिभा को निखारने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि ग्रामीण युवाओं में शारीरिक अभ्यास की प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, जिससे गांव की अनुशासन व्यवस्था भी दुरुस्त हुई है।

## लंबे समय से कर्मचारियों की मांग, आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिला

# कर्मियों का मांगों को लेकर प्रदर्शन पानी बंद करने की दी चेतावनी

*ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल यूनियन ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंडल में किया धरना-प्रदर्शन*

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल यूनियन संबंधित हरियाणा कर्मचारी महासंघ ने सोमवार को जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंडल में धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला चेयरमैन विनोद कुमार व मंच संचालन ब्रांच प्रधान सुरेंद्र फौजी ने की। ब्रांच प्रधान सुरेंद्र फौजी ने बताया कि ब्रांच के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार मंडल कार्यालय पर दो घंटे रोष प्रदर्शन किया और कार्यकारी अभियंता अमित जैन और असिस्टेंट प्रमोद गुप्ता दोनों अपनी सीट से नदारद मिले, जबकी संगठन ने 10 मार्च की मीटिंग में अधिकारियों ने सभी मांग पूरा करने का आश्वासन दिया था। ब्रांच प्रधान सुरेंद्र फौजी ने कहा कि उनकी मांग है कि एचकेआरएन कर्मचारियों की जॉब सिक्योरिटी की अंतिम तिथि 25 अप्रैल है, लेकिन 20 दिसंबर से लेकर आज तक किसी भी कर्मचारी की जॉब सिक्योरिटी अपडेट नहीं हुई हैं। 31 दिसंबर 2025 को जिन कर्मचारियों का प्रमोशन हुआ था, उनका आज तक पे फिक्सेशन नहीं हुआ है। इसी प्रकार जनवरी में जिन कर्मचारियों के एसीपी लगनी थी, वो आज तक नहीं लगी है, जिनसें कर्मचारियों का हर महीने आठ हजार का आर्थिक नुकसान हो रहा। इसके अलावा अक्टूबर 2025 में सभी साइट पर कुर्सी, प्लस, पेचकस, पंखे इत्यादि 10 दिन में देने का वादा किया था, लेकिन आज तक नहीं मिली है। जो कर्मचारी ठेकेदारों के द्वारा लगाए हुए है, उनका दीवाली से पहले लगभग 10 लाख रुपये ठेकेदार के पास आए हुए है, लेकिन बार बार कहने के बाद भी आज तक कर्मचारियों को नही दिया गया। हरिओम और प्रेम सागर जो 2006 से यहीं कार्यरत है, लेकिन उनका बार बार कहने के बाद प्रमोद गुप्ता ने अनुभव पत्र नहीं बनाकर दिया, जिसकी वजह से यह कर्मचारी जॉब सिक्योरिटी से वंचित रह गए, मंडल कार्यालय में डिप्टी सुपरिंडेंट होते हुए भी कार्यकारी अभियंता द्वारा जान बुझकर असिस्टेंट प्रमोद गुप्ता को डिप्टी का चार्ज दे रखा और दोनों मिलकर बोगस कोटेशन और डाइट बना रहे है, जिससे कर्मचारियों के साइट के कार्य नहीं हो रहे है और कार्यकारी अभियंता निजी स्वार्थ के कार्य करते और कार्यालय में समय से नही बैठते है, जिससे आम जनता और कर्मचारी नहीं मिल पाते और जिससे मंडल कार्यालय की व्यवस्था अस्त व्यस्त है।

**10 मार्च की बैठक में मांगें पूरी करने का दिया था आश्वासन**

**महेंद्रगढ़।** कर्मचारियों को संबोधित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

### सरकार की छवी की जा रही खराब

सरकार के जनहित कार्य ना करके सरकार की छवि को खराब कर रहें है। प्रांतीय मुख्य सलाहकार महेंद्र यादव ने बताया कि कार्यकारी अभियंता ने संगठन से बातचीत करके समस्या का समाधान नहीं किया तो, मंगलवार की सुबह मंडल कार्यालय का घेराव किया जाएंगा और अगर फिर भी कार्यकारी अभियंता ने कर्मचारियों की समस्या समधान नही किया तो इस गर्मी के मौसम में संगठन पानी की सप्लाई बंद करने पर मजबूर हो सकता है।

### ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिला मुख्य सलाहकार सुरेश पाल पाली, ब्रांच चेयरमैन रमेश बेरी, मुख्य सलाहकार सत्यवीर, मुख्य संगठनकर्ता करण सिंह, उपप्रधान सुनील, सचिव कुलदीप, कैशियर यशपाल, प्रेस प्रवक्ता नरवीर, हैप्पी, उपप्रधान रामकुमार, शुक्रमपाल, अजित, पवन, अजय, नरेंद्र आदि मौजूद रहे।

**नारनौल।** आमजन की समस्याएं सुनते विधायक ओमप्रकाश यादव।

# महिलाओं के अधिकारों के प्रति गंभीर नहीं विपक्ष : विधायक

- सरकार की सोच अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ: ओमप्रकाश यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने सोमवार को अपने आवास पर लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर उनका समाधान करवाया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि सरकार की सोच है कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 में लगभग 2.23 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड बजट पेश किया है, जिससे ग्रामीण विकास को मजबूती मिलेगी। ग्राम पंचायतों की खर्च सीमा बढ़ाकर 21 लाख रुपये तक कर दी गई है तथा महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वह हमेशा वोट बैंक की राजनीति करती रही है और महिलाओं के मुद्दों पर गंभीर नहीं रही। विधायक ने कहा कि देश के संविधान निर्माताओं की सोच महिलाओं को राजनीतिक समानता देने की थी, लेकिन यह सपना लंबे समय तक अधूरा रहा। इस मौके पर निजी सचिव गजेंद्र यादव, राजेश यादव, पवन यादव आदि उपस्थित रहे।

### महिला सशक्तिकरण को दी प्राथमिता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी गई है और इस दिशा में लगातार ठोस नीतियां बनाई गई हैं। अन्य राजनीतिक दलों पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वे महिलाओं के अधिकारों को लेकर गंभीर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता ममता बनर्जी के कुशासन से बुरी तरह तंग आ चुकी है और भारतीय जनता पार्टी को आशा भरी निगाहों से बंगाल की जनता देख रही है। बंगाल में भाजपा पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। विधायक ने यह भी कहा कि वर्ष 2014 के बाद से क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं और किसानों को पानी की समस्या से काफी हद तक राहत मिली है।

# राज्य स्तरीय स्केचिंग में हैप्पी का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

जिला बाल कल्याण परिषद नारनौल द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय स्केचिंग प्रतियोगिता में हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र ओंकार पुत्र हनुमंत कलेल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम व प्रदेश का नाम रोशन किया हैं। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से आए प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के बीच ओंकार ने अपनी रचनात्मकता और कला कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों को अपनी कल्पनाशक्ति, विषय की समझ और प्रस्तुति के आधार पर आंका गया, जिसमें ओंकार की स्केचिंग ने निर्णायकों को विशेष रूप से प्रभावित किया। उसकी इस उपलब्धि के लिए उसे शीघ्र ही उपायुक्त द्वारा सम्मानित किया जाएगा, जो विद्यालय और परिवार दोनों के लिए गर्व का विषय है।

**महेंद्रगढ़।** छात्र को सम्मानित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

### छात्र ने हासिल की उल्लेखनीय सफलता

इस सफलता के पीछे विद्यालय की कला अध्यापिका मंजू शर्मा और गोल्डी तिवारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिन्होंने छात्र को निरंतर मार्गदर्शन, प्रेरणा और अभ्यास के माध्यम से इस स्तर तक पहुंचने में सहयोग दिया। विद्यालय प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, मैनेजर चंचल अग्रवाल, संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल तथा उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल ने छात्र की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उसे बधाई दी।

## सड़क निर्माण के खिलाफ ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

**नारनौल।** धनौन्दा से मोहनपुर तक बनाई जा रही सड़क पर धनौन्दा पंप हाउस से निकलने वाली तीन नहरों के पुलों पर बनाए जा रहे त्रुटिपूर्ण सड़क निर्माण के खिलाफ ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों को सम्बोधित करते हुए बसपा नेता अतरलाल ने चेतावनी दी कि प्रशासन तथा ठेकेदार ने तीन दिन के अंदर त्रुटियों को दूर कर सड़क निर्माण सही नहीं किया, तो ग्रामीण एसडीएम कनीना के कार्यालय पर धरना देंगे। उन्होंने कहा कि ठेकेदार के कर्मचारियों तथा उपमंडल अधिकारी कनीना के संज्ञान में कई बार शिकायत लाने के बावजूद भी सड़क निर्माण सही नहीं किया जा रहा है। बीच सड़क में तीन कीकर तथा खंभा छोड़ दिया गया है। जिससे किसानों के ट्रैक्टर व अन्य वाहनों की आवाजाही में दिक्कत होगी और दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि पुलों के ऊपर से बनाई जा रही सड़क को सही लेवल में बनाने, कीकर व खंभे को हटाने तथा पुलों के ऊपर से गुजर रहे तारों को ऊपर उठाकर सड़क निर्माण करने की मांग की।

# भाईचारे का संदेश लेकर पहुंची पूर्व सांसद की सद्भाव यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी अटेली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में निकाली जा रही ऐतिहासिक 'सद्भाव यात्रा' सोमवार को अपने 199वें दिन अटेली हल्के के चंदपुरा से शुरू हुई। यात्रा ने अटेली क्षेत्र के सुजापुर, बेगपुर, उनींदा, धनोदा, अटेली के पुराने बस स्टैंड एवं नए बस स्टैंड से गुजरते हुए अटेली बाजार में प्रवेश कर झंडा चौक जाकर समापन हो गई। उन्होंने सीएम नायब सैनी के साथ सांसद के किस्से को सांझा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने अपनी पत्नी को जिला पार्षद का प्रत्याशी बनाया तो उनसे कहा कि आप सांसद होकर पत्नी को जिला पार्षद बनाने का क्या औचित्य है, तब उनकी पत्नी जिला पार्षद में बुरी तरह से हारने के बाद भाजपा को यह मालूम चला कि इस व्यक्ति के पल्ले तो कुछ नहीं है तो उन्होंने कमजोर नेता को सीएम बनाकर अपने गुप्त एजेंडे को लागू करना चाहती है। वहीं इस यात्रा को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने महेंद्र सिंह राता कहा कि अटेली हल्के में पहुंची सद्भाव यात्रा ने साफ संकेत दिया कि इलाके में कांग्रेस का आधार मजबूत करने की कोशिश तेज हो गई है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष सतवीर झुकिया, पूर्व आईएएस विनय यादव, महिला प्रधान राज सुनेश यादव, दीपिका यादव, लवली यादव, एलसी जोशी, दलबीर चौधरी व प्रेम यादव आदि मौजूद रहे।

**मंडी अटेली।** उनिंदा में सद्भाव यात्रा में पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह का स्वागत करते हुए।

### सांस्कृतिक अहीरवाल के विस्तार से कार्य को गति मिलेगी

**नारनौल।** अहीरवाल क्षेत्र हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली तीन राज्यों तथा नौ जिलों में फैला हुआ है। इस क्षेत्र की प्राचीन संस्कृति, इतिहास और परंपराओं पर काम करने वाली संस्था है। जिसने इस क्षेत्र के 2500 गांवों का इतिहास लेखन का काम पूरा किया है। यह अपने आप में बड़ा और आने वाली पीढ़ियां के लिए मार्गदर्शन का काम करेगा। सांस्कृतिक अहीरवाल के निदेशक सत्यव्रत शास्त्री ने सांस्कृतिक अहीरवाल की प्राचीन संस्कृति को पुनर्वैभव पर लाने के लिए एक लंबी कार्य योजना का निर्माण किया है। जिसमें लंबे समय काम करके इसकी कोई प्रतिष्ठा को प्राप्त करना है।

सत्यव्रत शास्त्री।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

## औचक निरीक्षण: अधिकारियों को पारदर्शिता बरतने के सख्त निर्देश

# अटेली मंडी निरीक्षण में किसानों की नाराजगी उजागर, सरसों खरीद प्रक्रिया पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी अटेली

नई अनाज मंडी अटेली में सरसों खरीद को लेकर किसानों की समस्या उस समय सामने आई जब उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने मंडी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में किसान अपनी सरसों की फसल लेकर मंडी में मौजूद थे और खरीद एजेंसियों द्वारा सरसों नहीं खरीदे जाने को लेकर नाराजगी जता रहे थे। उपायुक्त ने मंडी में गेट पास प्रणाली, किसानों की बायोमेट्रिक प्रक्रिया और फसल की गुणवत्ता जांच का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने किसान के मंडी में प्रवेश से लेकर फसल बिक्री तक की पूरी प्रक्रिया को समझते हुए अधिकारियों से जानकारी ली।

**मंडी अटेली।** सरसों की ढेरी का अवलोकन करती उपायुक्त। *फोटो: हरिभूमि*

### सरसों खरीद पर विवाद

इस दौरान किसानों ने उपायुक्त को बताया कि सरसों की क्वालिटी खराब बताकर उनकी फसल को समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदा जा रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है। किसान सुबह से ही मंडी में एकत्रित होकर अपनी फसल बेचने के लिए गुहार लगा रहे थे। किसानों की शिकायत सुनते हुए उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरसों की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच की जाए।

## दिग्विजय की बढ़ती लोकप्रियता से घबराई सरकार: जेजेपी

**नारनौल।** जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला की बढ़ती लोकप्रियता से बौखलाई हरियाणा सरकार अब लोकतांत्रिक अधिकारों का गला घोंटने पर उतर आई है। पहले हिसार यूनिवर्सिटी में मामला दर्ज किया गया और अब कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में शांतिपूर्ण छात्र संवाद कार्यक्रम के बाद दूसरी एफआईआर दर्ज करना सरकार की घबराहट को साफ दर्शाता है। यह बात प्रेस के नाम जारी एक विज्ञप्ति में जेजेपी जिला प्रधान राजकुमार खातोद व जिला प्रवक्ता विजय छिलरो ने कही। उन्होंने कहा कि सात अप्रैल को इनसो की ओर से कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से छात्र संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में छात्रों ने अपने मुद्दे मजबूती से उठाए, जिससे सरकार पूरी तरह से असहज हो गई। उन्होंने बताया कि 17 अप्रैल को बदले की भावना से दिग्विजय चौटाला, इनसो के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मलिक और अन्य छात्र नेताओं पर एफआईआर दर्ज करना निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। यह कार्रवाई साफ तौर पर दर्शाती है कि सरकार युवाओं की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। जजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि हरियाणा सरकार छात्र संगठनों व युवा नेताओं की लोकप्रियता से घबराकर राजनीतिक द्वेष के तहत इस प्रकार की कार्रवाई कर रही है, लेकिन जजपा व इनसो के कार्यकर्ता डरने वाले नहीं हैं और हर मंच पर युवाओं की आवाज को बुलंद करते रहेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस तरह के दमनकारी रवैये को बंद नहीं किया, तो प्रदेशभर में आंदोलन छेड़ा जाएगा। उन्होंने मांग की कि सभी झूठे मुकदमे तुरंत वापस लिए जाए और छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान किया जाए।